S.B.G.S. Is For All

O boys and girls come here,
To bright your future/mould your career.
S.B.G.S. opened for you all.
Here is hidden treasure,
For you, for you all.
O boys and girls,
S.B.G.S. has brought a golden chance,
To bright as sun
Never go hither and
Your school is here
Your seat is here.
O boys and girls
S.B.G.S. is showing light,
From far and far.
Don't deviate and turn,
form path.
This is at Phulparas
For you all, for you all.

Mohit Kumar Jha, Class - 7th

Meaning full Thoughts

The Best Day - **Today**
The Hardest thing to do - **To Begin**
The Greatest Handicap - **Fear**
The Easiest Thing to do - **Finding Faults**
The Most Useless Asset - **Pride**
The Greatest Mistake - **Giving up**
The Greatest Comfort - **Work well done**
The Most Disagreeable Person - **The Complainer**
The Greatest Need - **Common Sense**
The Best Gi **Forgiveness**
The Hardest and Most Painful Truth to Accept - **Defeat**
The Greatest Knowledge - **Experience**
The Greatest Thing - **Love**
The Greatest Success in the world - **Peace of Mind**

माँ

माँ की क्या परिभाषा दूँ,
यह इतना आसान नहीं।
जो न माँ को समझ सका,
समझो वो इंसान नहीं।
सोचता हूँ क्यों है माँ को,
मुझसे इतनी उम्मीदें।
मेरी चिंता में तो अक्सर,
खो जाती है उनकी नींदे।
क्या मैं पूरा कर पाऊँगा,
अपनी मां की आशाऐं।
उम्र की इस नाजुक पल में,
राहें मेरी भूल ना जाएं।
ऐसी मेरी प्यारी मां।
मुझ पर उनको नाज हो जाएं।
ऐसा मैं कुछ कर पाऊँ।
चलो थोड़ी मेहनत कर लूँ,
और एक डॉक्टर बन जाऊं।।

Om Prakash Gupta, Class - VI

केशव कुमार, वर्ग – दशम्

मुझे कुछ कहना है

(घर के आस–पास रखे स्वच्छता)

घर की सफाई के बाद अकसर हम भूल जाते हैं कि हमारे आस–पास का माहौल भी हमें प्रभावित करता है। हमारा वातावरण दिन–प्रतिदिन गंदा होते जा रहा है।इसके जिम्मेदार हम सभी हैं, क्योंकि हमलोग खुद ही कूड़ा कचरा इधर–उधर सुविधानुसार फेंक देते हैं, जिससे गंदगी बढ़ती जा रहीं है। इससे वायुमंडल में प्रदूषण भी फैल रहा है। इससे पृथ्वी की आयु भी घटना तय है। हम चाहें तो इस परिस्थिति से छुटकारा पा सकते है, बस अपनी ओर से थोड़ा सा प्रयास कीजिए और घर के साथ साथ अपने आस–पास की भी सफाई रखिए। मैने शुरूआत कर दी है, आशा है आप भी करेंगे और देश को सुन्दर और स्वच्छ बनाने में अपना योगदान देंगें।

राजनन्दनी, वर्ग – षष्टम्

गाते फूल

हंसते और हंसाते फूल
मस्ती में लहराते फूल।
नई ताजगी बांट रहें है
मन को सदा लुभाते फूल।
गर्मी, वर्षा जाड़ा सहते
सदा सहज मुस्कुराते फूल।
तितली के संग आंख–मिचौली
भँवरों के संग गाते फूल।
प्रकृति की सुन्दरता में भी
चार चाँद लगाते फूल।
होकर देव–चरणों में अर्पित
जीवन सफल बनाते फूल।
काँटो में भी खिलना सीखों
हंस–हंस हमें सिखाते फूल।

निशा भारती, वर्ग – पंचम्